



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 63]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 5, 2006/चैत्र 15, 1928

No. 63]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 5, 2006/CHAITRA 15, 1928

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2006

जांच की शुरुआत

विषय:- चीन जन.गण., हांगकांग, सिंगापुर तथा चीनी ताइपेई से कॉम्पेक्ट डिस्क-रिकार्डबल (सीडी-आर) के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

1. जांच की शुरुआत

फा.सं. 14/15/2005-डीजीएडी - चूंकि ऑप्टिकल डिस्क मैन्युफैक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन, नई दिल्ली (जिसे एतदपश्चात याचिकाकर्ता कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) के अनुसरण में एक आवेदन दाखिल किया है, जिसमें चीन जन.गण., हांगकांग, सिंगापुर तथा चीनी ताइपेई (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित कॉम्पेक्ट डिस्क-रिकार्डबल (सीडी-आर) (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच प्रारम्भ करने का अनुरोध किया गया है।

और चूंकि प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देश की संबद्ध वस्तु के पाटन, घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के बारे में पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं इसलिए प्राधिकारी जो घरेलू उद्योग को क्षति के परिणामस्वरूप, किसी आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव को निर्धारित करने तथा पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने, जिसकी यदि वसूली की जाती है तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, के लिए उपर्युक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार उक्त आरोपित पाटन की एतद्वारा जांच प्रारम्भ करते हैं।

2. विचाराधीन उत्पाद

इस जांच में विचाराधीन उत्पाद कॉम्पैक्ट डिस्क-रिकार्डेबल (सीडी-आर) हैं। सीडी-आर एक पॉलीकार्बोनेट डिस्क है, जिसके एक ओर एक स्पाइरल ग्रूव होती है, जिसमें होकर कोई जानकारी लिखने अथवा पढ़ने के लिए लेजर पुंज गुजरता है। डिस्क में स्पाइरल ग्रूव की तरफ वनस्पति आधारित जैविक रंजक की एक तह की पतली कोटिंग होती है और उस पर चाँदी, चान्दी की मिश्रधातु अथवा सोने की पतली चमकदार परत होती है। अन्त में धातु परावर्तक के ऊपर फोटो-पॉलीमराइजेबल लेकर की एक रक्षक परत चढ़ाकर इसे यूवी इर्रेडिएशन से क्योर कर दिया जाता है। ऐसी डिस्क पर रिकार्डिंग केवल एक बार की जा सकती है, अतः इस डिस्क को 'वर्म' (एक बार लिखें, अनेक बार पढ़ें) किस्म की डिस्क कहा जाता है। यह डिस्क डिजिटल डाटा अथवा संगीत के लिए एक ऑप्टिकल स्टोरेज माध्यम है। यह उत्पाद आईटीसी (एचएस) तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण सं. 8523.90.50 के अन्तर्गत वर्गीकृत है। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

3. घरेलू उद्योग और आधार

यह आवेदन ऑप्टिकल डिस्क मैनुफेक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन, नई दिल्ली (ओडीएमए) द्वारा दायर किया गया है, जिसके भारत में संबद्ध वस्तुओं के 8 उत्पादक हैं। सम्बद्ध वस्तुओं के चार उत्पादक और ओडीएमए के सदस्यगण आवेदन में आवेदक के रूप में सम्बद्ध हैं और ओडीएमए के चार अन्य सदस्यों ने याचिका का समर्थन किया है। अतः याचिकाकर्ता का भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के पूर्ण उत्पादन में योगदान है और वह नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनता है।

4. समान वस्तु

यह नोट किया गया है कि एथिलीन, प्रॉपिलीन तथा डाइन की मात्रा तथा मूनी स्यानता के अनुसार ईपीडीएम का उत्पादन विभिन्न रूपों तथा ग्रेडों में किया जाता है। ईपीडीएम की किसी विशेष ग्रेड का उपयोग विनिर्दिष्ट अंतिम उपयोग, जिसके लिए कोई वस्तु प्रयुक्त होती है, के अनुसार किया जाता है। ईपीडीएम एक विशिष्ट वस्तु होने के कारण ग्राहक द्वारा इसके उपयोग में, विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा निर्मित ईपीडीएम के प्रयोग को समाहित करने की दृष्टि से, उत्पादन प्रक्रिया की फाइन ट्यूनिंग अपेक्षित है। किसी भी विनिर्माता द्वारा उत्पादित ईपीडीएम की आधारभूत भौतिक व रासायनिक विशेषताएं, ग्रेड भिन्नताओं के बावजूद वही रहती हैं, और संयंत्र एवं उपकरणों में परिवर्तन किए बिना उत्पादों में परस्पर परिवर्तन किया जा सकता है। यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि एक ही प्रकार के कच्चे माल से विभिन्न ग्रेडों के ईपीडीएम का उत्पादन किया जाता है, मूल उत्पादन प्रौद्योगिकी ही अपनाई जाती है और उत्पादन प्रक्रिया भी समान होती है।

अतः यह प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एवं बेचे जा रहे उत्पादों और संबद्ध देशों/भू-भागों से आयातित उत्पादों में कोई अंतर नहीं है। उत्पादों का आयात प्रयोक्ता उद्योगों तथा अन्य उद्योगों को आपूर्ति हेतु व्यापारियों द्वारा भी सीधे किया जा रहा है। उपभोक्ता घरेलू उत्पाद तथा तदनुरूप आयातित उत्पाद का प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर कर रहे हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद और सम्बद्ध देशों/भू-भागों द्वारा आयातित उत्पाद उनकी विशेषताओं की दृष्टि से अनिवार्यतः एक समान हैं और उन्हें नियमावली के अर्थ के भीतर समान वस्तु माना जाता है।

5. सामान्य कीमत

चीन जन.गण. को छोड़कर सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तुओं की कारखाना द्वार कीमत की गणना का अनुमान इस प्रयोजनार्थ अनुमेत्य समायोजन के पश्चात् याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग को सम्बद्ध वस्तुओं की उचित माध्यम से उपलब्ध कीमत से संबंधित जानकारी के आधार पर लगाया गया है। चीन जन.गण. के संबंध में सामान्य कीमत का अनुमान नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 एवं 8 के अनुसार निर्यातकों द्वारा अनुमान के खण्डन के अधीन उस देश की गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा के आधार पर लगाया गया है। तथापि, प्राधिकारी उपर्युक्त प्रावधान के अनुसार चीन जन.गण. में सामान्य कीमत के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आने वाले समय में किसी उचित तीसरे देश को अधिसूचित कर सकते हैं।

6. निर्यात कीमत

अलग-अलग उत्पादों की निर्यात कीमत का अनुमान डीजीसीआई एण्ड एस तथा द्वितीयक स्रोतों से एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर लगाया गया है। कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत निकालने के लिए उसमें समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, निर्यात के देशों/भू-भागों में अन्तर्देशीय परिवहन पत्तन प्रहस्तन एवं पत्तन प्रभारों के कारण समायोजन किए गए हैं।

7. पाटन मार्जिन

प्राधिकारी के समक्ष याचिकाकर्ता द्वारा रखे गए सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर यह प्रतीत होता है कि सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तुओं की सामान्य कीमत भारत को निवल निर्यात कीमतों से काफी अधिक है और इससे प्रथम दृष्टया संकेत मिलता है कि सम्बद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। पाटन मार्जिन अनुमानतः सकारात्मक तथा न्यूनतम कीमत से ऊपर है।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

याचिकाकर्ता ने सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत तथा विचाराधीन उत्पाद के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के विभिन्न मानदण्डों से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की है। आयातों की कीमत में समग्र रूप से और उत्पादों की मांग के संबंध में वृद्धि, बाजार हिस्से को हुए नुकसान, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री कीमत ह्रास, लाभप्रदता एवं सम्बद्ध वस्तु के विनिर्माण में नकदी नुकसान जैसे मानदण्डों से प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के पाटित आयात से घरेलू उद्योग को संचयी क्षति हुई है।

9. प्रक्रिया

(क) **शामिल देश/भू-भाग:** वर्तमान जांच में शामिल देश हांगकांग, सिंगापुर, चीनी ताइपेई तथा चीन जनवादी गणराज्य हैं।

(ख) **जांच अवधि:** वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1.10.2004 से 30.9.2005 है। तथापि क्षति संबंधी जांच की अवधि में 2001-2002 से 2004-2005 तथा जांच अवधि शामिल हैं।

(ग) **सूचना प्रस्तुत करना:** सम्बद्ध देश के निर्यातकों, भारत स्थित उनके दूतावास के जरिए उनकी सरकारों, भारत में सम्बन्धित समझे जाने वाले आयातकों और नियोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग से अनुरोध किया जाता है कि वे निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करें और अपने विचारों से निम्नलिखित को अवगत कराएँ :

निर्दिष्ट प्राधिकारी
पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग,
उद्योग भवन,
नई दिल्ली - 110011

कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी नीचे निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से जांच से संगत अपने अनुरोध कर सकती है।

(घ) समय सीमा

वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित में भेजी जानी चाहिए जो इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस (40) दिनों से पूर्व उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास पहुँच जाए। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है उन्हें उक्त सूचना, उन्हें लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस (40) दिनों के भीतर प्रस्तुत करनी होगी।

(ड.) अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षों द्वारा प्राधिकारी को प्रदत्त किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है और यदि ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्ष की राय में यदि सूचना का संक्षिप्तिकरण सम्भव नहीं है, तो उसके कारणों का विवरण प्रदान किया जाना अपेक्षित है। यदि कोई हितबद्ध पक्ष आवश्यक सूचना जुटाने से माना करता है, अथवा उचित समय के भीतर इसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है, तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

(च) सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण: नियम 9(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्ष उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है, जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

क्रिस्टी एल. फेर्नंडेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 2006

Initiation

Subject: Initiation of antidumping investigation involving import of Compact Discs-Recordable (CD-Rs) from China PR, Hong Kong, Singapore and Chinese Taipei.

1. Initiation

F. No. 14/15/2005-DGAD.— WHEREAS Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi (herein after referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of **Compact Discs-Recordable (CD-Rs)** (herein after referred to as subject good), originating in or exported from the **China PR, Hong Kong, Singapore and Chinese Taipei** (herein after referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the subject countries, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

2. Product under consideration

The product under consideration in this investigation is Compact Discs-Recordable (CD-Rs). CD-R is a polycarbonate disc containing a spiral groove on one side to guide the laser beam for writing and reading information. The disc is coated on the side with the spiral groove with a very thin layer of vegetable-based organic dye and subsequently with a thin, reflecting layer of silver, a silver alloy or gold. Finally,

a protective coating of a photo-polymerizable lacquer is applied on top of the metal reflector and cured with UV-irradiation. Recording on such a disc can be done only once and therefore, the disc is said to be of the type 'WORM' (Write Once Read Many times). The disc is an optical storage medium for digital data or music. The product is classified under ITC (HS) and Customs Classification No. 8523.90.50. However, the above classification is indicative only and is no way binding on the investigation.

3. Domestic industry and Standing

The application has been filed by Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi, (ODMA) comprising of 8 producers of the subject goods in India. Four producers of the subject goods and members of ODMA have joined the application as the applicants and other four members of ODMA have supported the petition. The petitioner, therefore, accounts for complete production of subject goods in India and constitute domestic industry within the meaning of the Rules.

4. Like article

It is noted that EPDM is produced in various forms and grades depending upon Ethylene, Propylene and Diene content and Mooney Viscosity. Use of a particular grade of EPDM depends on the specific end use to which the goods are put to. EPDM being a specialized commodity, its usage, at the end of the customer, requires fine-tuning of the production process to accommodate the usage of EPDM made by different suppliers. However, the basic physical and chemical characteristics of EPDM produced by any manufacturer remain same irrespective of grade differentiation and the products can be used interchangeably without making any changes in the plant & equipment. It has been argued that various grades of EPDM are produced from the same general raw materials, employs the basic production technology and follow through the same production process.

It therefore, appears that there is no difference in the products produced and sold by the domestic industry and imported from subject Countries/territories. The products are being directly imported by the user industries and also by traders for supply to other industries. The consumers are using the domestic and corresponding import products interchangeably. The products produced by the domestic industry and imported from subject Countries/territories being identical in all essential characteristics are treated as like article within the meaning of the term as per the Rules.

5. Normal value

The ex-works normal value of the subject goods in the subject countries, except China PR, have been estimated on the basis of information on the domestic selling price of the subject goods as reasonably available to the applicant domestic

industry, after allowing admissible adjustments to arrive at ex-works prices. Normal value in respect of China PR has been estimated in terms of Annex I Para 7 and 8 of the Rules on the basis of Non-market economy presumption against that country, subject to rebuttal of the above presumption by individual exporters. The Authority may however, notify an appropriate third country, in the due course, for the purpose of determination of normal value in China PR in terms of the above provision.

6. Export price

The export price of individual products has been estimated on the basis of data collected from DGCI&S and other secondary sources. Adjustments on account of ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation in the Countries/territories of export, port handling and port charges have been made to arrive at the Export Price at ex-factory level.

7. Dumping margin

On the basis of positive evidence placed by the applicants before the Authority it appears that the Normal Values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the net export prices to India, indicating prima-facie that the subject goods are being dumped in the Indian market by exporters from the subject countries. The dumping margins are estimated to be positive and above de minimis.

8. Injury and causal link

Petitioners have furnished information on volume and value of dumped imports from the subject countries and various parameters relating to injury to the domestic industry, on account of the product under consideration. Parameters, such as increase in volume of imports both in absolute terms and in relation to the demand of the products, loss in market share, price undercutting and underselling, Price depression, profitability and cash loss in the manufacturing of subject goods, prima-facie indicate that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have cumulatively injured the Domestic Industry.

9. Procedure

a) Countries/territories involved The Countries/territories involved in the present investigation are the **Hong Kong, Singapore, Chinese Taipei and the Peoples Republic of China.**

b) Period of investigation (POI): The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is **1.10.2004 to 30.9.2005.** The injury investigation period will however, cover the period 2001-02 to 2004-05 and the POI.

- c) **Submission of information:** The exporters in the subject Countries/territories, their governments through their embassies/ representatives in India, the importers and users in India known to be concerned and the domestic industry are requested to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

The Designated Authority
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
Ministry of Commerce and Industry
Government of India
Udyog Bhavan
New Delhi-110011.

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

- d) **Time limit:** Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than **forty (40) days** from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within **(40) forty days** from the date of the letter addressed to them.
- e) **Submission of information on Non-confidential basis:** In terms of Rule 6(7), of the Rules the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summary, a statement of reason thereof is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.
- f) **Inspection of public file:** Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties in terms of Rule 6 (7).

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority